इंदौर के पर्यटन स्थल

Rajwada Palace

Annapurna Temple

Lal Bagh Palace

Khazrana Ganesh Mandir

Kaanch Mandir

Kamla Nehru Prani Sangrahalaya

हाइब्रिड मोड Google Meet

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "विकसित भारत के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता"

WhatsApp group

व्हाटसएप ग्रुप में जुड़ने के लिए स्कैन करें

मुख्य अतिथि एवं वक्ता

डॉ. अतुल जी कोठारी
राष्ट्रीय सचिव
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास,
नई दिल्ली

श्री ओमप्रकाश शर्मा
मध्य क्षेत्र संयोजक
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

सुश्री शोभाताई पैठणकर
राष्ट्रीय प्रमुख
महिला कार्य शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

डॉ. आर. सी. दीक्षित
मुख्य संरक्षक
अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, इंदौर

डॉ. ममता चंद्रशेखर
प्राचार्य एवं संरक्षक

डॉ. डी. एन. पुरोहित
संयोजक, वाणिज्य विभाग

डॉ. संजय प्रसाद
आयोजन सचिव

आयोजन समिति

- डॉ. प्रकाश गर्ग
- डॉ. उषा जैन
- डॉ. सुषमा श्रीवास्तव
- डॉ. वेणु त्रिवेदी
- डॉ. संजय राने
- डॉ. कविता रावत
- डॉ. संध्या भार्गव
- डॉ. एसपी पांडेय
- डॉ. संध्या गोयल
- डॉ. सुषमा व्यास
- डॉ. संगीता मेहता
- डॉ. राजीव शर्मा
- डॉ. अजय काले
- डॉ. आशीष पाठक
- डॉ. महेश गुप्ता
- डॉ. ज्ञानेश्वर तिखे

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

- श्री राम सागर मिश्रा, प्रांत संयोजक
- श्रीमती प्रियदर्शिनी अग्निहोत्री, प्रांत सह संयोजक
- डॉ. दिनेश दवे, संयोजक चरित्र निर्माण

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इंदौर

एवं

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में

09 सितम्बर 2025

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

विकसित भारत के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता

SCAN

आयोजक :वाणिज्य विभाग

https://forms.gle/5N42rkbEBKgp4LHx9

भारतीय ज्ञान परम्परा

भारतीय ज्ञान परंपरा अद्वितीय ज्ञान और प्रज्ञा का प्रतीक है जिसमें ज्ञान और विज्ञान, लौकिक और परलौकिक, कर्म और धर्म तथा भोग और त्याग का अद्भुत समन्वय है। ऋग्वेद के समय से ही शिक्षा प्रणाली जीवन के नैतिक, भौतिक, आध्यात्मिक और भौतिक मूल्यों पर केंद्रित होकर विनम्रता, सत्यता, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और सभी के लिए सम्मान जैसे मूल्यों पर जोर देती थी। वेदों में विद्या को मनुष्यता की विशेषता का आधार स्वीकार किया गया था।

शिक्षा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, राष्ट्रीय प्रगति, सभ्यता एवं संस्कृति के उत्थान हेतु अनिवार्य है। इस बदलते सामाजिक परिवेश और भारतीय मूल्यों के बीच हमारी शिक्षा व्यवस्था को समावेशी बनाना अत्यावश्यक है जो भारतीय ज्ञान परंपरा के बिना नहीं बन सकती। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारत के सांस्कृतिक मूलाधारों को ठीक से जानने व समझने पर बल दिया है।

इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित विषयों का गहन विमर्श करना तथा शोध संगोष्ठी के माध्यम से परंपरागत ज्ञान एवं आदर्शों को समाज में पुनर्स्थापित करने का सफल प्रयास करना है।

इंदौर शहर का इतिहास

माँ अहिल्या की नगरी इंदौर मध्यप्रदेश का एक प्रमुख शहर है। भारतीय संस्कृति और आधुनिकता का अनूठा संगम है। इसे मध्यप्रदेश की वाणिज्यिक राजधानी के रूप में जाना जाता है। यहां की समृद्धि और व्यापारिक गतिविधियां इसे देश के प्रमुख आर्थिक केन्द्रों में शामिल करती है।

संस्था का परिचय

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इंदौर की स्थापना 1961 में हुई थी। यह पश्चिम मध्यप्रदेश में कला, मानविकी, वाणिज्य, प्रबंधन एवं विज्ञान की शिक्षा प्रदान करने वाला अग्रणी संस्थान है। संस्थान का 65 वर्षों का गौरवशाली इतिहास है। पारंपरिक पाठ्यक्रम के अलावा महाविद्यालय में कंप्यूटर एप्लीकेशन, बीबीए, योग, बीजे, एमएसडब्ल्यू एमजे आदि व्यावसायीक पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं। प्रदेश का सबसे बड़ा महाविद्यालय होने का गौरव भी इस संस्थान को प्राप्त है। महाविद्यालय में वर्तमान में 12000 से अधिक विद्यार्थी अध्यनरत है।

संगोष्ठी के उप-विषय

- विकसित भारत की यात्रा में भारतीय ज्ञान परंपरा का योगदान
- भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्तमान सन्दर्भों में प्रासंगिकता।
- आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ज्ञान परंपरा की भूमिका
- रोजगार सृजन में भारतीय ज्ञान परंपरा का अवदान
- शिक्षा प्रणाली में पारंपरिक ज्ञान का समावेश
- भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान के सूत्र
- भारतीय ज्ञान परंपरा में जीवन के नैतिक मूल्य
- प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में कृषि प्रबंधन
- कंप्यूटर विज्ञान के उत्कर्ष में भारतीय ज्ञान परंपरा का योगदान
- भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में प्रबंधन
- भारतीय ज्ञान परम्परा में अध्यात्म और दर्शन
- भारतीय ज्ञान परंपरा में साहित्य, इतिहास, वाणिज्य, राजनीति, भूगोल, योग, मनोविज्ञान अभिनय, संगीत, ललित कलाएं, नाट्यशास्त्र तथा संबंधित अन्य विषय।
- संस्कृत साहित्य में समृद्ध भारतीय ज्ञान परंपरा
- प्राकृत साहित्य में समृद्ध भारतीय ज्ञान परंपरा
- वैश्विक भाषाओं के विकास में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका
- भारतीय ज्ञान परम्परा में पर्यावरण संतुलन के सूत्र
- पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में योगदान
- स्वास्थ्य व मानसिक कल्याण के क्षेत्र में योग व ध्यान का प्रभाव
- विज्ञान और तकनीक के साथ समन्वय पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान का मेल, आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा
- भारतीय ज्ञान परम्परा में भूमंडलीय वाष्पीकरण समस्या निदान के सूत्र
- भारतीय ज्ञान परम्परा और विश्व बंधुत्व।
- मुहावरे, लोकोक्तियां, कहावतों में भारतीय ज्ञान परंपरा
  - वेद, उपनिषद और स्मृति ग्रंथों का बौद्धिक योगदान
  - आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा परंपरा
  - गणित, खगोल व वास्तु विज्ञान,
  - नीतिशास्त्र, धर्मशास्त्र और जीवन दर्शन
  - कला, संगीत, नाट्यशास्त्र और सांस्कृतिक विरासत में भारतीय योगदान
- भारतीय मूल्य प्रणाली और नैतिक नेतृत्व
- पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में योगदान
- स्वास्थ्य व मानसिक कल्याण के क्षेत्र में योग व ध्यान का प्रभाव
- विज्ञान और तकनीक के साथ समन्वय
- पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान का मेल
- आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा का एकीकृत मॉडल
- वास्तु व ग्रीन बिल्डिंग तकनीक
- डिजिटल माध्यम से ज्ञान परंपरा का पुनर्प्रसार
- भारतीय ज्ञान परंपरा और वैश्विक परिप्रेक्ष्य
- विश्व में भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रभाव
- अंतरराष्ट्रीय संगठनों में पारंपरिक ज्ञान का मान्यता प्राप्त योगदान
- भारतीय पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण की चुनौतियाँ और समाधान
- नयी पीढ़ी में रुचि जागृत करने के उपाय
- भविष्य की दिशा - परंपरा और नवाचार का संतुलन

आप अपना शोध-पत्र हिन्दी में कृतिदेव 10 फॉन्ट साईज-14, अंग्रेजी में Times New Roman फॉन्ट साईज-12

शोध पत्र भेजने हेतु लिंक ई-मेल - gaccseminar7@gmail.com

शोध-पत्र ईमेल पर भेजने की अन्तिम तिथि - 31 अगस्त 2025

पंजीयन शुल्क

नियमित संकाय हेतु	600/-
अतिथि संकाय हेतु	400/-
शोध विद्यार्थियों हेतु	300/-

शोध पुस्तक की हार्ड कॉपी के लिए 500/- अतिरिक्त देय होगा

भुगतान हेतु स्कैन करें

Account Number 35846876861
Bank- SBI, IFSC CODE :- SBIN0030467
JANBHAGIDARI STHANIYA PRABANDHAN SAMITI SABV GACC INDORE
E-mail :- gaccseminar7@gmail.com

संस्था का संपर्क विवरण

भंवर कुआँ, एबी रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश ४५२००१

संपर्क हेतु
9425485455, 9425355721, 9425060766,
9826870607, 9425322125